

# डॉ. जॉन ओसवाल्ट, राजा, सत्र 15, भाग 1

## 1 राजा 19-20, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

आज, हम अध्याय 19 और 20 को देख रहे हैं, जिसका शीर्षक मैंने ईश्वर की दया रखा है।

आइए हम मिलकर प्रार्थना करें।

प्रिय स्वर्गीय पिता, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि, जैसा कि पुराने अनुष्ठान में कहा गया है, आपकी संपत्ति हमेशा दया करना है। धन्यवाद। धन्यवाद कि आप ऐसे ईश्वर हैं, जो भजनकार के अनुसार, हमारे पापों और हमारे अधर्मों को याद नहीं रखते, बल्कि उन्हें पूर्व से पश्चिम की तरह दूर कर देते हैं। धन्यवाद।

धन्यवाद कि आप ऐसे ईश्वर हैं। और हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि आप हमें आपकी दया को स्वीकार करने और विश्वास, भरोसे और आज्ञाकारिता के साथ इसका जवाब देने की कृपा प्रदान करें। हे प्रभु, हमारी सहायता करें कि इस पारस्परिक संबंध में जिसकी आप मांग कर रहे हैं, हम इस संसार में आपका जीवन जी सकें।

आपके वचन के लिए धन्यवाद। हमें इसका अध्ययन करने का जो अवसर मिला है, उसके लिए धन्यवाद। और हम प्रार्थना करते हैं कि आपकी पवित्र आत्मा हम में से प्रत्येक के जीवन में इसकी सच्चाई को लागू करे। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं।

इस कहानी में हम जो अजीबोगरीब चीजें देखते हैं, उनमें से एक है एलिय्याह का लगभग पूर्ण पतन। अध्याय 18 में बताए अनुसार उसे जबरदस्त, जबरदस्त जीत मिली है।

और जैसा कि हमने पिछले सत्र के अंत में देखा, वह अहाब के रथ से पहले, यिज़्रेल की ग्रीष्मकालीन राजधानी से लगभग 20 मील दूर भाग गया। हालाँकि, जब हम अध्याय 19 शुरू करते हैं, तो हम देखते हैं कि इज़ेबेल बहुत प्रभावित नहीं है।

और वह किसी न किसी तरह से एलिजा को संदेश भेजती है कि वह उसे मार डालेगी। वह इसे शपथ के रूप में रखती है। भगवान मेरे साथ ऐसा ही व्यवहार करें, चाहे वह कितना भी कठोर क्यों न हो, अगर कल इस समय तक, मैं तुम्हारा जीवन उन भविष्यद्वक्ताओं में से एक जैसा नहीं बना देती जो माउंट कार्मेल के तल पर मारे गए थे।

हम उम्मीद कर सकते हैं कि एलिय्याह कहेगा, "परमेश्वर मेरी रक्षा करेगा। मुझे तुम्हारी चिंता नहीं है, स्त्री।" लेकिन वास्तव में, हम पद 3 में पढ़ते हैं कि वह डर गया और अपनी जान बचाने के लिए भाग गया।

और वह सिर्फ अगले काउंटी की ओर नहीं भागा। जैसा कि हम नक्शे पर देखते हैं, हम देख सकते हैं कि सामरिया यहाँ है। वह पूरे इसराइल से होते हुए, यहूदा से होते हुए बेशेबा तक भागा और फिर रुक गया।

यह एक लंबी दौड़ है। माउंट कार्मेल से यिज्जेल तक दौड़ना पार्क में टहलने जैसा लगता है। और जब वह वहाँ पहुँचा, तो वह अपने नौकर को पीछे छोड़कर जंगल में एक दिन की यात्रा पर निकल गया।

वह एक झाड़ु की झाड़ी के पास आया, उसके नीचे बैठ गया, और प्रार्थना करने लगा कि वह मर जाए। वाह! आखिर यहाँ क्या चल रहा है? मैं आपको सुझाव देता हूँ कि जो कुछ चल रहा है वह एक प्रतिक्रिया है।

हम सभी जो सेवकाई में शामिल रहे हैं, शायद इसे थोड़ा-बहुत समझ सकते हैं। वह बहुत ऊँचे स्थान पर रहे हैं, बहुत ही ऊँचे स्थान पर। और वास्तव में, हम मनुष्यों को हमेशा ऊँचे स्थान पर रहने के लिए नहीं बनाया गया है।

और एक प्रतिक्रिया हुई। और उस ऊँचाई से, वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक अर्थ में, जो हुआ वह यह था कि इज़ेबेल ने बस इस बात को और बढ़ा दिया।

यह दिलचस्प है। मैं व्यक्तिगत रूप से इस तरह के अनुभव पर विचार कर सकता हूँ। मेरे जीवन में एक समय था, जब मैं बहुत यात्रा कर रहा था, भाषण दे रहा था, पढ़ा रहा था।

और जब मैं केंटकी के लेक्सिंगटन में हवाई अड्डे से घर लौट रहा था, तो मैं रूट 68 पर विल्मोर की ओर दक्षिण की ओर आने वाले स्थान को अच्छी तरह से पहचान सकता था, जब मैंने कहा कि सारी हवा निकल गई थी। और मुझे एहसास हुआ, और इसके बारे में पता न होने पर, कि मैं एट्रेनालाईन की ऊँचाई पर था। और अब हम वापस उसी तरह से जीवन में आ गए हैं जैसा कि यह है।

मुझे लगता है कि एलिजा के साथ भी यही हुआ। और ऐसा हममें से किसी के साथ भी हो सकता है। हम ऊँचाइयों पर जीने के लिए नहीं बने हैं।

उनके लिए भगवान का शुक्रिया। लेकिन हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए अगर ऊँचाई के बाद संतुलन आता है, और हम गिरावट का अनुभव करते हैं।

मुझे लगता है कि ऐसी परिस्थितियों में, मैं कह सकता हूँ कि, खुद पर कठोर हो जाना बहुत आसान है। और कहते हैं, हे भगवान, मेरे साथ क्या समस्या है? मैं इतनी आध्यात्मिक ऊँचाई का अनुभव कर रहा था, और अब मैं निराशा में हूँ। हे भगवान।

मैं यह सुझाव देना चाहूँगा कि यह शैतान की बात है। यही जीवन है। और अगर हम ऊँचाई पर हैं, तो हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए अगर हम बराबरी पर पहुँचते-पहुँचते नीचे गिर जाएँ।

लेकिन उस स्थिति में, हम देखते हैं कि एलिय्याह बहुत गहराई में, बहुत निराशा में गिर गया है। और वह कहता है, जैसा कि न्यू इंटरनेशनल वर्जन में है, हे प्रभु, मेरे लिए बहुत हो गया। मेरी जान ले लो।

मैं अपने पूर्वजों से बेहतर नहीं हूँ। और वह गिर पड़ा, पेड़ के नीचे लेट गया, और सो गया। हाँ, हाँ, बेचारा मैं।

माउंट कार्मेल पर हुए उस अनुभव के परिणामस्वरूप हमें एक महान राष्ट्रीय पुनरुत्थान प्राप्त करना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इतना ही नहीं, बल्कि वे मुझे मारने की कोशिश कर रहे हैं।

तो मुझे बस मर जाने दो। चलो इसे खत्म कर देते हैं। अब, भगवान के नुस्खे पर ध्यान दें।

एक देवदूत ने उसे छुआ और कहा, उठो और खाओ। उसने चारों ओर देखा, और उसके सिर के पास गर्म कोयले पर पकी हुई कुछ रोटी और पानी का एक घड़ा था। जीवन में आगे बढ़ो।

हार मत मानो। जीवन में आगे बढ़ो। उसने खाया-पीया और फिर लेट गया।

प्रभु का दूत दूसरी बार आया, और उसे छूकर कहा, उठकर खा ले, क्योंकि यात्रा तेरे लिये बहुत भारी है। वह बहुत थक गया है।

वह शारीरिक रूप से बहुत थक गया है। वह आध्यात्मिक रूप से उदास है। कुछ खाने को लाओ।

इसलिए, हमारे लिए, कई बार नुस्खा बस यही होता है कि जीवन की बागडोर अपने हाथ में ले लें, सामान्य काम करें, सामान्य काम करें और आगे की ओर देखना शुरू करें। एलिय्याह पीछे की ओर देख रहा था, एक बड़ी जीत की ओर, अपने जीवन के लिए खतरे की ओर। अब स्वर्गदूत कहता है, आगे की ओर देखो।

तैयार हो जाओ। तुम्हारे सामने एक यात्रा है। अब, मेरे लिए यह दिलचस्प है कि हम नहीं जानते कि उसने यह विशेष यात्रा क्यों चुनी।

उस भोजन से ताकत पाकर, उसने 40 दिन और 40 रातें यात्रा की और होरेब, परमेश्वर के पर्वत पर पहुँच गया। मुझे आश्चर्य है कि क्या एलिय्याह यह कह रहा था कि, मुझे वापस वहीं जाना चाहिए जहाँ से यह पूरी वाचा शुरू हुई थी। फिर से, मैं इस पर बहुत आगे नहीं जाना चाहता।

लेकिन एक अर्थ में यह नुस्खे का हिस्सा है। पीछे जाएं। सोचें कि आपने कहां से शुरुआत की थी।

उन तरीकों के बारे में सोचें जिनसे परमेश्वर ने आपके जीवन में खुद को प्रकट किया है। उन तरीकों के बारे में सोचें जिनसे आपका इस्तेमाल किया गया है। उन तरीकों के बारे में सोचें जिनसे परमेश्वर आपको आगे ले जाने के लिए पीछे ले जाना चाहता है।

मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि भगवान ने किसी तरह से उसे ऐसा करने के लिए निर्देशित किया या उसने खुद ही यह निर्णय लिया। लेकिन यह यात्रा, और मेरे पास इसका नक्शा नहीं है, लेकिन यह यात्रा पिछली यात्रा से भी लंबी है।

एक तरह से उसे बहुत पीछे जाना पड़ा। बहुत पीछे, इस समय इस्राएल में जो हालात थे। बहुत पीछे, ईज़ेबेल और परमेश्वर की भूमि पर वह जो कुछ करने की कोशिश कर रही थी।

एक अर्थ में इसका एक बड़ा आध्यात्मिक महत्व भी है। जैसा कि मैंने आपको बताया, राजाओं की पुस्तक का यह भाग अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्या यहोवा इस्राएल का परमेश्वर बना रहेगा? या उसकी जगह बाल ले लेगा? यह सब कहाँ से शुरू होता है? वास्तविक अर्थ में, यह अब्राहम के साथ वाचा से शुरू होता है।

लेकिन खास तौर पर माउंट सिनाई पर इस्राएल के लोगों के साथ वाचा के साथ। क्या हम उस वाचा में जीने जा रहे हैं? क्या हम उन प्रतिबद्धताओं में जीने जा रहे हैं जो हमने वहाँ की थीं जिसने हमें एक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया या नहीं? तो, यह वास्तविक अर्थ है जिसमें हमने सिनाई से एलिय्याह तक की अवधि देखी है। क्या वाचा प्रभावी रहेगी? या इसे रद्द कर दिया जाएगा? इसलिए, वह एक गुफा में चला जाता है।

एक बार फिर, हमें यह नहीं बताया गया कि वह सोया था, लेकिन हमें बताया गया कि उसने रात वहीं बिताई। फिर प्रभु के वचन पर ध्यान दें। हमने पिछली बार प्रभु के वचन के बारे में बात की थी, जैसा कि एलिय्याह ने प्राप्त किया और बोला।

यहाँ फिर से प्रभु का वचन आता है। और सवाल बहुत ही दिलचस्प है। शाब्दिक इब्रानी में कहा गया है, तुम क्या सुनते हो? इस कथन के लिए हम कई संभावनाएँ बता सकते हैं।

एनआईवी और अधिकांश अन्य आधुनिक अनुवाद कहते हैं, एलिय्याह, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? इसमें कुछ नकारात्मक बात है, है न? तुम यहाँ क्या कर रहे हो? मुझे यकीन नहीं है कि यह नकारात्मक है। मुझे लगता है कि यह हो सकता है, एलिय्याह, तुम्हारे लिए यहाँ क्या है? तुम यहाँ क्या सीख सकते हो? अब यह हो सकता है, तुम यहाँ क्यों आए हो? लेकिन कई संभावनाएँ हैं। और वह इसे दो बार दोहराता है।

और एलिय्याह ने इस प्रश्न का दो बार उत्तर दिया। और वह मूलतः एक ही तरह से उत्तर देता है। दिलचस्प बात यह है कि वह परमेश्वर के प्रश्न का उत्तर नहीं देता, है न? वह यह नहीं कहता कि, मैं वाचा को नवीनीकृत करने के लिए यहाँ आया हूँ।

मैं यहाँ अपना दृष्टिकोण पुनः प्राप्त करने आया हूँ। नहीं। वह दूसरे प्रश्न का उत्तर देता है।

मैं स्वर्ग की सेनाओं के परमेश्वर यहोवा के लिए बहुत जोशीला रहा हूँ। बहुत खास। इस्राएलियों ने आपकी वाचा को अस्वीकार कर दिया है।

उन्होंने तुम्हारी वेदियों को तोड़ दिया है। उन्होंने तुम्हारे नबियों को मौत के घाट उतार दिया है। और मैं ही अकेला बचा हूँ।

अरे दोस्तों, बेचारे मैं सिंड्रोम से सावधान रहो। हम कितनी आसानी से खुद पर और अपनी कठिनाइयों और अपनी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित कर लेते हैं।

भगवान कहते हैं, बाहर जाओ और गुफा के मुहाने पर खड़े हो जाओ। और एक बार फिर, यह शब्द है। दरअसल, यह मौन है।

बहुत तेज़ हवा चल रही है। यह भगवान नहीं है। भूकंप आ रहा है।

वह भगवान नहीं है। वहाँ आग लगी है। वह भगवान नहीं है।

और उसके बाद आया। और हिब्रू बहुत दिलचस्प है। यह सचमुच शून्य की ध्वनि है।

संपूर्ण, संपूर्ण शांति। और हम भजन 46 के बारे में सोचते हैं। शांत रहें।

और पता लगाओ कि मैं भगवान हूँ। नहीं, मैं उन प्रलय में से कोई नहीं हूँ। मैं माउंट कार्मेल पर गिरी आग नहीं हूँ।

मैं वह तूफान नहीं हूँ जो आया। मैं बाल नहीं हूँ। तुम कौन हो? शब्द।

उस सत्राटे में, एक आवाज़ ने उससे कहा। दोनों के बीच का अंतर मेरे लिए दिलचस्प है। श्लोक 9 में, यह प्रभु का वचन है जो उसके पास आया।

पद 13 में एक आवाज़ ने उससे कहा। मुझे आश्चर्य है कि क्या वास्तव में इस मामले में यह एक श्रव्य आवाज़ थी। मुझे नहीं पता।

लेकिन फिर भी, मुद्दा यह है कि भगवान इस दुनिया में नहीं है। और उसे इस दुनिया की किसी भी चीज़ में नहीं पकड़ा जा सकता। वह हमसे सिर्फ़ मौखिक रूप से ही जुड़ता है।

वह बोलता है। और एक बार फिर, एलियाह उसी तरह जवाब देता है। और परमेश्वर कहता है, जिस रास्ते से तुम आए थे उसी रास्ते से वापस जाओ।

दमिश्क के रेगिस्तान में जाओ। वहाँ पहुँचकर अराम के राजा के रूप में हेज़ेल का अभिषेक करो। इस्राएल के राजा के रूप में निमशी के बेटे येहू का अभिषेक करो।

आबेलमहोला के शफ़ाट के पुत्र एलीशा का अभिषेक करो। जो कोई हेज़ेल की तलवार से बच जाएगा, उसे येहू मार डालेगा। जो कोई येहू की तलवार से बच जाएगा, उसे एलीशा मार डालेगा।

और फिर, दिलचस्प बात यह है कि एक तरह का कोष्ठक। फिर भी मेरे पास अभी भी इस्राएल में सात हज़ार लोग हैं, जिन्होंने बाल के आगे घुटने नहीं टेके हैं, जिनके मुँह ने उसे चूमा नहीं है। एलिय्याह, तुम अकेले नहीं हो।

इसलिए, परमेश्वर एलिय्याह को एक नई सेवकाई देता है। और यह दिलचस्प है कि टिप्पणीकार इस पर बहस करते हैं।

वास्तव में, एलिय्याह ने केवल एलीशा का अभिषेक किया था। और यह एलीशा ही है जिसने हेज़ल और येहू का अभिषेक किया था। तो, क्या एलिय्याह ने अवज्ञा की? कुछ लोग इस बारे में आश्चर्य करते हैं। मुझे नहीं लगता। मैंने पिछली बार आपसे कहा था कि एलिय्याह और एलीशा का मंत्रालय वास्तव में एक मंत्रालय है। और मुझे लगता है कि यहाँ यही हो रहा है।

हाँ, एलिजा, आप हेज़ल का अभिषेक करने जा रहे हैं, लेकिन आप इसे अपने उत्तराधिकारी के माध्यम से करने जा रहे हैं। यह मेरे लिए दिलचस्प है। क्या मैं अपने उत्तराधिकारी से, वास्तव में, अपने बुलावे को पूरा करवाने के लिए तैयार हूँ? वहाँ एक तरह की आत्म-त्याग की भावना है।

और इसलिए, मुझे नहीं लगता कि एलिय्याह अवज्ञाकारी है। मुझे लगता है, वास्तव में, वह अपने उत्तराधिकारी का अभिषेक करने में आज्ञाकारी है, जो इस मंत्रालय को आगे बढ़ाएगा और जो उसके नेता ने उसे करने के लिए कहा था, उसे पूरा करेगा। एलीशा के अभिषेक की तस्वीर दिलचस्प है।

वह स्पष्ट रूप से एक अमीर आदमी है। वह खेत में है। उसके सामने बैलों की 12 टीमों हैं।

यह बिलकुल स्पष्ट है कि वह और उसका परिवार यहाँ के मालिक हैं। और एलिय्याह आता है और बस अपना लबादा एलीशा के कंधों पर डाल देता है। और एलीशा को पता चल जाता है कि क्या हुआ है।

माता-पिता को अलविदा चूमने दो, और मैं तुम्हारे पीछे चलूँगा। मैं तुम्हारे पीछे चलूँगा। ओह, चलने का यह महान विषय जो बाइबल में चलता है।

परमेश्वर अब्राम से कहता है, मेरे सामने चलो और सिद्ध बनो। तुम वही बनो जिसके लिए तुम बने हो। अब फिर से आओ और मेरे पीछे चलो।

यीशु ने गलील के तट पर उन युवकों से यही कहा था। मेरे पीछे चलो। मेरे पदचिन्हों पर चलो।

जहाँ मैं जाता हूँ वहाँ जाओ। जो मैं कहता हूँ उसे सुनो। शिष्यत्व का यही अर्थ है।

एलीशा ने हल को काट दिया, बैलों को मार डाला, लोगों को खेलाने के लिए बलि चढ़ायी और चला गया। यीशु अब भी तुमसे और मुझसे कहता है, आओ, मेरे पीछे चलो। अतीत को छोड़ने के

लिए चाहे जो भी कीमत चुकानी पड़े, अपनी संपत्ति को छोड़ने के लिए चाहे जो भी कीमत चुकानी पड़े, आओ, मेरे पीछे चलो।